सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: 2026-27

कक्षा:-6	विषय: अमृत संचय	पाठ:7 खोटे सिक्के

1. उचित विकल्प चुनिए

1. छोटा-सा लड़का थैली में क्या लिए खड़ा था? (ख) खोटे सिक्के

2. टकसाल के उच्चपदाधिकारी थे? (क) मि. खन्ना

3. सिक्के बनाने के लिए क्या किया जाता है? (ग) धातु विशेष को बड़ी-बड़ी भट्टियों में गलाया जाता है।

4. एक गरीब महिला रोते-रोते टकसाल में क्यों आई? (घ) अपने अपंग पति के लिए कोई काम चाहती थी।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

प्रश्न 1. खन्ना साहब से हुई छोटे लड़के की बातचीत के आधार पर उसका चरित्र-चित्रण कीजिए।

उत्तर: खन्ना साहब टंकसाल के एक उच्चाधिकारी हैं और उनको अपने पद का गहरा घमंड है। जब एक छोटा लड़का भयभीत होकर उनसे कुछ पूछता है, तो वे अत्यंत कड़ककर और रौबदार आवाज़ में बात करते हैं। वे एक कठोर हृदय वाले व्यक्ति हैं जिनके मन में गरीबों के प्रति बिल्कुल भी दया नहीं है तथा साथ ही, वे काफी चतुर हैं और अपनी कमियों को छिपाने के लिए बात बदलने में माहिर हैं।

प्रश्न 2. खन्ना साहब ने छात्राओं के दल को टकसाल देखने की अनुमति किसलिए दे दी?

उत्तर: खन्ना साहब टकसाल के उच्च पदाधिकारी थे। जब उन्हें पता चला कि लखनऊ से कॉलेज की छात्राओं का एक दल टकसाल देखना चाहता है, तो उन्होंने प्रसन्नतापूर्वक अनुमति दे दी। वे स्वयं छात्राओं को टकसाल दिखाने के लिए तैयार हो गए।

प्रश्न 3. टकसाल के वातावरण के विषय में बताइए।

उत्तर: टकसाल का वातावरण बहुत गर्म, शोरगुल वाला और खतरनाक था। वहाँ बड़ी-बड़ी भट्टियों में धातु पिघलाई जाती थी। विशाल मशीनें बहुत तेज आवाज़ करती थीं। मजदूर कठिन परिस्थितियों में काम करते थे और वहाँ दुर्घटनाएँ होने का भी खतरा रहता था।

प्रश्न 4. कर्मचारियों के टंकसाल में काम करते समय अपंग हो जाने पर वहाँ के अधिकारी उनकी सहायता किस प्रकार करते थे?

उत्तर- टंकसाल की भारी और खतरनाक मशीनों पर काम करते समय यदि कोई कर्मचारी दुर्घटना का शिकार होकर अपंग हो जाता था तो अधिकारी उसकी सहायता के नाम पर केवल कुछ आर्थिक मुआवज़ा देकर उसे नौकरी से मुक्त कर देते थे। अधिकारी इसे ही अपनी पूरी सहायता और कर्तव्य समझते थे, भले ही वह राशि उस परिवार के भविष्य के लिए काफ़ी न हो।